

सचा है दरबार माँ झंडे वाली का

सचा है दरबार माँ झंडे वाली का
नाम जपे संसार पहाड़ों वाली का

बाण गंगा में नहा के माँ चरण पदुका जा के
फिर गर्भ जून से हो के सांझी छत्त पे हम आते
हैं दिन खुशहाली का नाम जपे संसार पहाड़ों वाली का

माँ जय जैकार लगाते पिण्डीओं के दर्शन पा के
फिर नारियाल फूल चढ़ा के माँ के हम दर्शन पाते
हैं दिन खुशहाली का नाम जपे संसार पहाड़ों वाली का

माँ तेरे दर से आ के फिर ज्योति तेरी जगा के
कंजकाओं का पूजन करके माँ मन चाहा फल पाते
हैं दिन खुशहाली का नाम जपे संसार पहाड़ों वाली का

मँचा है दरबार माँ झंडे वाली का
नाम जपे संसार पहाड़े वाली का

बाण गंगा में नहा के माँ चरन पादुका जा के
द्विर गरभ जून से हो के सांझी छॅत पे हम आ के
हैं दिन खुशहाली का नाम जपे संसार पहाड़े वाली का

माँ जै जैकार लगाते पिण्डीष के दरम्भन पाके
द्विर नारीअल ढुल चड़ा के माँ के हम दरम्भन पाते
हैं दिन खुशहाली का नाम जपे संसार पहाड़े वाली का

माँ तेरे दर से आके द्विर जयेंटी तेरी जगा के
कंजकें का पूजन करके माँ मन चाहा ढल पाते
हैं दिन खुशहाली का नाम जपे संसार पहाड़े वाली का

<https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/1990/title/sacha-hai-darbar-jhande-wali-ka--naam-jape-sansar-pahado-vali-ka>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले।